कोटा में करोड़ों रुपए के ऑक्सीजन प्लांट तीन साल में ही ठप हुये

कोटा में मेडिकल कॉलेज के अस्पतालों में 24 में से 20 ऑक्सीजन प्लांट ठप पड़े हुए हैं, सिलेंडर के भरोसे चल रही है व्यवस्थाएं

कोटा, (निसं)। कोविड-19 के दौरान कोटा में ऑक्सीजन की कमी को दूर करने के लिए मेडिकल कॉलेज कोटा के अस्पतालों में एक के बाद एक 24 प्लांट स्थापित किए गए थे। महज 3 सालों के अंतराल में ही हालात ऐसे बन गए हैं कि 20 प्लांट आज बंद की स्थिति में हैं। केवल चार प्लांट से ही ऑक्सीजन की सप्लाई हो रही है। ऐसे में मेडिकल कॉलेज के चारों अस्पताल जेके लोन, एमबीएस, न्यू हॉस्पिटल और सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक में सिलेंडर पर निर्भरता बढ़ गई है, जबकि इन अस्पतालों में लगे प्लांट की क्षमता इतनी है कि जिसे 1500 से ज्यादा सिलेंडर रोज भरे जा सकते हैं। इससे उलट अस्पतालों में रोज 400 से 500 सिलेंडर मंगवाए जा रहे हैं।

कोटा के अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट बंद होने के चलते सिलेंडर के जरिए काम चलाना पड़ रहा है।

- **अधिकांश ऑक्सीजन प्लांट कोटा डेवलपमेंट अथॉरिटी (तत्कालीन यूआईटी) ने तैयार करवाए थे, इसको लेकर केडीए और डीआरडीओ को भी लेटर भेजे गए हैं**

अस्पतालों में स्थापित किए गए ऑक्सीजन प्लांट लगाने पर करोड़ों रुपए का खर्चा हुआ है। पीएम केयर फंड के अलावा राज्य सरकार ने भी पैसा लगाया था। स्थाई रूप से इनका उपयोग किए जाने पर लाखों रुपए महीने की बचत की जा सकती है लेकिन इनका रूटीन मेंटेनेंस भी नहीं हुआ। इसी के चलते अधिकांश प्लांट बंद हैं। कुछ तो गारंटी में ही बंद हो गए जिनको लगाने वाली कंपनी ने दुरुस्त नहीं किया है। मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में पांच प्लांट हैं। इनमें एक लिक्विड ऑक्सीजन का 20 हजार लीटर का प्लांट है। यह प्लांट वर्तमान में काम कर रहा है जबकि चार प्लांट अलग-अलग क्षमता के हैं जिनमें कुल क्षमता करीब 2200 लीटर प्रति मिनट है। इनमें से एक ही प्लांट वर्तमान में काम कर रहा है। ऐसे में अस्पताल में सिलेंडर की निर्भरता बढ़ गई है। अस्पताल को हर दिन 250 से 300 के आसपास ऑक्सीजन सिलेंडर चाहिए। 120 के आसपास सिलेंडर वर्तमान में मंगवाए जा रहे हैं जबकि यह प्लांट चालू होते तो इन्हें मंगवाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसी तरह से एमबीएस अस्पताल में वर्तमान में रोज 150 सिलेंडर मंगवाए जा रहे हैं। इसी तरह से जेके लोन अस्पताल में करीब 100 से 125 के बीच सिलेंडर रोज मंगवाए जा रहे हैं।

दूसरी तरफ सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक (एसएसबी) की बात की जाए तो वहां पर 6 प्लांट अलग-अलग कैपेसिटी के हैं। इनकी कुल क्षमता 3500 लीटर प्रति मिनट की है। इनमें से एक ही प्लांट काम कर रहा है जबकि एक प्लांट ढाई साल से बंद है। शेष तीन प्लांट जनवरी मार्च और जुलाई में बंद हुए हैं। एक प्लांट ठेकेदार ने हैंडओवर नहीं किया है क्योंकि वह ठीक से ऑक्सीजन जेनरेट नहीं कर पा रहा था। अधिकांश ऑक्सीजन प्लांट कोटा डेवलपमेंट अथॉरिटी (तत्कालीन यूआईटी) ने तैयार करवाए थे। इसको लेकर केडीए और डीआरडीओ को भी लेटर भेजे गए हैं।

कोटा मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ.संगीता सक्सेना का कहना है कि चारों मेडिकल अस्पताल के सुपरीटेंडेंट इनकी निगरानी करते हैं। मेडिकल कॉलेज प्रशासन के द्वारा भी समय-समय पर केडीए (तत्कालीन यूआईटी) को इसके विषय पर लिखा जाता रहा है। उनके द्वारा कई बार इंस्टॉलेशन भी कराया गया है। कहीं प्लांट हैंडओवर नहीं हुए हैं वह भी एक समस्या सामने आ रही है। समस्या के समाधान के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल और सरकार लगातार प्रयासरत है।

जेके लोन अस्पताल की अधीक्षक डॉ.निर्मला शर्मा का कहना है कि हमने इन प्लांट को दुरुस्त करने को लेकर केडीए के अधिकारियों को कई बार लिखा है। व्यक्तिगत रूप से जाकर भी मुलाकात की है। वह जयपुर के स्तर से इन्हें दुरुस्त करने की बात कहते हैं। मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल की तरफ से भी पत्र व्यवहार किया गया है। हमने संभाग आयुक्त को भी इस संबंध में जानकारी दी है। डॉ. निर्मला शर्मा का कहना है कि ऑक्सीजन नेसेसरी है और तुरंत हमें लेनी भी आवश्यक है। इसीलिए सिलेंडर से आपूर्ति जारी रखने के लिए आदेश जारी किए गए हैं।

एमबीएस अस्पताल के सुपरिंटेंडेंट डॉ. धर्मराज मीणा का कहना है कि लिक्विड ऑक्सीजन और ऑक्सीजन जनरेशन के प्लांट भी बंद हैं। ऐसे में सिलेंडर के जरिए सप्लाई ली जा रही है। कुछ प्लांट से भी ले रहे हैं। इनको दुरुस्त करवाने को लेकर लगातार प्रयास भी किए जा रहे हैं।

अनियंत्रित कार दूध के टैंकर से टकराई, चार जनों की मौत

कार चालक सहित परिवार में से पिता, पुत्री व पुत्र की मौत हो गई

अचानक गलत दिशा से आए टैंकर की टक्कर से कार के परखच्चे उड़ गए।

सावरदा, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-48 पर गिदानी के पास गुरुवार को सुबह दस बजे बाद जयपुर से अजमेर कि ओर जा रहा एक दूध का टैंकर, अचानक अनियंत्रित होकर राजमार्ग के बीचों-बीच बने डिवाईडरों को लांघकर, राजमार्ग के दूसरे छोर पर अजमेर जयपुर मार्ग से गुजर रही एक कार से जा टकराया, जिसके चलते कार चालक सहित कार में सवार परिवार में से पिता पुत्री की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पुत्र व उसकी मां को गंभीर घायल अवस्था में होने के चलते जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल ले जाया गया।

- **कार में सवार परिवार देहरादून से तीर्थराज पुष्कर घूमने आए थे**

प्राप्त जानकारी के अनुसार हादसे में गंभीर घायल पुत्र विकास ने भी अस्पताल में दम तोड़ दिया है। कार में सवार परिवार देहरादून से तीर्थराज पुष्कर घुमने आए थे। गुरुवार को वापस जयपुर की तरफ जा रहे थे। अचानक गलत दिशा से आए टैंकर की टक्कर से कार के परखच्चे उड़ गए। कार चालक गौरव (30) तथा कार सवार सहित सत्येन्द्र (62) उनकी पुत्री अंकिता (20) कि मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल विकास पुत्र सत्येन्द्र गीता देवी पत्नि सत्येन्द्र को जिला अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवलाल बैरवा व मौजमाबाद थाना इंचार्ज संजय मीणा मौके पर पहुंचे तथा मौके पर एकत्र ग्रामीणों व अन्य वाहन चालकों की मदद से घायलों को दुर्घटनाग्रस्त कार से बाहर निकालकर अस्पताल भिजवाने के बाद घटना का मौका मुआयना किया।

मिड-डे-मील योजना के तहत कार्यरत 514 कुक कम हेल्परों को मानदेय नहीं मिला

कुक कम हेल्परों को करीब छह माह से मानदेय नहीं दिया जा रहा है, महिलाओं के घर में आर्थिक तंगी छाई

सूरतगढ़, (निसं)। एक तरफ राज्य सरकार सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त भोजन उपलब्ध करवाने के दावे कर रही है। वहीं सूरतगढ़ ब्लॉक में 293 सरकारी विद्यालयों में मिड-डे-मील योजना के तहत कार्यरत 514 कुक कम हेल्परों को करीब छह माह से मानदेय नहीं दिया जा रहा है। स्कूलों में बच्चों को पोषाहार खिलाने वाली महिलाओं के घर में आर्थिक तंगी की वजह से चूल्हा जलाना मुश्किल हो गया है। इसको लेकर कुक कम हेल्परों में रोष बढ़ता जा रहा है।

ब्लॉक में मिड-डे-मील योजना के तहत 293 सरकारी विद्यालयों में कक्षा प्रथम से लेकर आठवीं तक के 24030 विद्यार्थियों को दोपहर का पोषाहार खिलाया जा रहा है। पोषाहार पकाने के लिए 514 कुक कम हेल्पर कार्यरत है। एक स्कूल में पचास बच्चों पर एक कुक कम हेल्पर है। कुक कम हेल्पर को अप्रैल 2024 से 2143 रुपये प्रति महीना मानदेय मिल रहा है। इसमें केंद्र सरकार की तरफ से 600 रुपये और राज्य सरकार की तरफ से 1,543 रुपये दिए जाते हैं। इस मंहगाई में प्रतिदिन कुक कम हेल्पर का काम करने वाली महिलाओं में विद्यालय की साफ सफाई से लेकर भोजन तैयार करने से लेकर परोसने तक का कार्य करना पड़ता है। इसके बावजूद ब्लॉक में करीब छह माह से इन महिलाओं को मानदेय नहीं मिल रहा। इससे इनके सामने अपने घर का चूल्हा जलाने की समस्या खड़ी हो गई है।

सूरतगढ़ ब्लॉक के कुक कम हेल्परों को मार्च माह के बाद से मानेदय भुगतान नहीं हुआ। अब तक 47.98 लाख रुपए का मानेदय भुगतान बकाया है। इस संबंध में सीबीईओ कार्यालय से जिला मुख्य शिक्षा अधिकारी कार्यालय को 11 सितम्बर को पत्र प्रेषित किया जा चुका है। इससे पूर्व में भी शिक्षक संगठनों की ओर से कई बार शिक्षा अधिकारियों को ज्ञापन दिए जा चुके हैं। इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो रहा। जानकारी के अनुसार ई-केवाईसी नहीं होने की वजह से भी पोषाहार पकाने वाली महिलाओं के बैंक खाते में मानदेय नहीं आ रहा। इस समस्या का भी अभी तक समाधान नहीं हो सका है।

पोषाहार पकाने के लिए कुक कम हेल्पर का इंतजाम करना शिक्षकों के लिए टेढ़ी खीर साबित हो रहा है। शिक्षक इस मजबूरी में पोषाहार में कटौती कर कुछ रुपए कुक कम हैल्पर को हर माह अतिरिक्त देते हैं, तब जाकर पोषाहार तैयार होता है। कई स्कूलों में शिक्षक खुद कलेक्शन करके देते हैं। भट्टी के पास तपकर सैकड़ों बच्चों का खाना बनाने वाली कुक कम हेल्पर को मनरेगा श्रमिक से चौथाई मानदेय दिया जाता है। विद्यालय में मिड-डे-मील योजना के तहत पोषाहर का मीनू भी तय है।

कुक कम हेल्पर मीनू, संतोष, सावित्री, ज्योति, लीलादेवी आदि का कहना है कि विद्यालयों में बच्चों के लिए प्रतिदिन भोजन तैयार करते हैं, लेकिन लम्बे समय से मानदेय नहीं मिल रहा। इस संबंध में विद्यालय प्रशासन को कई बार अवगत करवाया जा चुका है। लेकिन मानदेय नहीं मिल रहा। मानदेय के अभाव में घर का चूल्हा जलाना मुश्किल हो रहा है। उधार लेकर काम चलाया जा रहा है। इस समस्या का समाधान शीघ्र होना चाहिए। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मधुबाला ने बताया कि ब्लॉक के कुक कम हेल्परों का मानदेय को लेकर समस्या आ रही है। इसके लिए उच्चाधिकारियों को अवगत करवाया जा चुका है। मानेदय संबंधित समस्या का शीघ्र ही समाधान करवाएंगे।

बंदियों को सिम देने के मामले में जेल प्रहरी गिरफ्तार

अजमेर, (कासं)। अजमेर की सबसे सुरक्षित माने जाने वाली हाई सिक्योरिटी जेल के मुख्य जेल प्रहरी को सिविल लाइन थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रशासन ने आरोपी के गिरफ्तारी की सूचना जेल विभाग के उच्च अधिकारियों को दे दी है। आरोपी द्वारा जेल में बंद विचाराधीन बंदी के भाई से दो सिम मंगवाकर हार्डकोर बंदियों को दी थी। 27 जून को जेल प्रशासन के सर्च ऑपरेशन के दौरान एक की-पेड मोबाइल और सिम बरामद की थी। जेल अधीक्षक पारस जांगिड़ ने सिविल लाइन थाने में मुकदमा दर्ज करवाया था। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

- **आरोपी द्वारा जेल में बंद विचाराधीन बंदी के भाई से दो सिम मंगवाकर हार्डकोर बंदियों को दी थी**
- **27 जून को जेल प्रशासन के सर्च के दौरान एक की-पेड मोबाइल और सिम बरामद की थी**

पुलिस उपाधीक्षक रूद्रप्रकाश शर्मा ने बताया कि 27 जून में हाई सिक्योरिटी जेल में मोबाइल और सिम मिलने के मामले में मुख्य जेल प्रहरी रूपनगर निवासी वीरपाल पुत्र किशन को देर रात गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया था कि जेल से बरामद सिम केकड़ी निवासी कालूराम के नाम पर थी। पुलिस ने कालूराम को पूछताछ के लिए बुलाया था। पुलिस पूछताछ में उसने बताया कि वह जेल में बंद विचाराधीन बंदी अपने भाई मुकेश से मिलने आया था। इस दौरान उसकी मुलाकात मुख्य जेल प्रहरी वीरपाल से हुई थी। उसने कालूराम से अपने नाम पर दो सिम लाने को कहा था।

पुलिस उपाधीक्षक रूद्र प्रकाश शर्मा ने बताया कि जेल में रेप केस में बंद एक आरोपी के भाई से सिम मंगाई थी। कालूराम से दो सिम लेकर उसे सौंपी थी। वीरपाल ने यह सिम हार्डकोर बंदी सीकर निवासी विक्रम गुर्जर और जयपुर निवासी रोशन पुत्र गोपाल जाट को दी थी। पूर्व में पुलिस ने दोनों हार्डकोर बंदियों को गिरफ्तार किया था। दोनों आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में बताया कि जेल प्रहरी वीरपाल ने सिम मुहैया करवाई थी।

सर्च ऑपरेशन में मिला था मोबाइल व सिम :- उल्लेखनीय है कि जेल में सर्च ऑपरेशन के दौरान बैरक नंबर दो में खिड़की के पास रखी एक किताब अंदर एक मोबाइल सिम और चार्जर बरामद हुआ था। उल्लेखनीय है कि विक्रम गुर्जर राजू ठेठ हत्याकांड सहित अन्य मुकदमों में जेल में बंद है। वहीं रोशन पॉस्को सहित अन्य धाराओं के मामलों में जेल में बंद है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन किया

समारोह के दौरान कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ का माला पहनाकर स्वागत किया।

जयपुर। मां भगवती विद्यापीठ उच्च माध्यमिक विद्यालय, तसीमो (धौलपुर) में आयोजित 14 वर्ष आयु वर्ग की राज्य स्तरीय विद्यालयी फुटबॉल प्रतियोगिता सत्र 2024-25 का उद्घाटन कैबिनेट मंत्री एवं झोटवाड़ा विधायक कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने किया। इस आयोजन में राज्यभर से आए सैकड़ों युवा प्रतिभागियों ने भाग लिया और अपनी फुटबॉल कौशल का प्रदर्शन किया।

- **2036 ओलंपिक के लिए तैयारी करनी हैः कर्नल राज्यवर्धन**

इस अवसर पर कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का साधन है, बल्कि मानसिक शक्ति और अनुशासन का प्रतीक भी है। प्रतियोगिताएं हमारे युवाओं को सही दिशा में प्रेरित करती हैं और उनके व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को मेहनत, अनुशासन, और समर्पण के महत्व पर जोर दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कर्नल राठौड़ ने भविष्य में ऐसे और भी बड़े आयोजनों की योजना पर जोर देते हुए कहा कि हमें 2036 ओलंपिक तक की तैयारी करनी है।

इस अवसर पर कर्नल राज्यवर्धन ने मैदान में जाकर खिलाड़ियों से मुलाकात की, उन्हें उत्साहित करते हुए कहा, कि प्रतिस्पर्धा में हार या जीत से ज्यादा महत्वपूर्ण खेल में पूर्ण मनोयोग से भाग लेना होता है।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खिलाड़ियों को अब विश्वस्तरीय सुविधाएं और संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। चाहे ओलंपिक प्रतियोगिता हो या एशीयन गेम्स, भारत के खिलाड़ी अब विश्व पटल पर भारत का गौरव बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार भी खिलाड़ियों के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है, जिससे भारत की युवा शक्ति खेलों में नया आयाम स्थापित कर सके।

आनंदपाल गैंग का गुर्गा आजाद सिंह प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार

कड़े सुरक्षा बंदोबस्त के बीच पुलिस आरोपी को अस्पताल से लेकर गई।

अजमेर, (कासं)। सिविल लाइन थाना पुलिस ने कुख्यात आनंदपाल गैंग के गुर्गे आजाद सिंह को गुरुवार को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। नागौर जिले के लाडनूं निवासी आजाद सिंह अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल में बंद है। 3 सितंबर 2022 को जेल में तलाशी के दौरान आजाद जिस बैरक में बंद था, उसमें से मोबाइल फोन बरामद हुआ था, जिसके बाद जेल प्रशासन ने सिविल लाइन थाने में उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले में पुलिस ने अब उसे हिरासत में लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

- **जेल में तलाशी के दौरान आजाद सिंह के बैरक से मोबाइल मिला था**

सिविल लाइन थाना पुलिस आरोपी आजाद सिंह की गिरफ्तारी के बाद उसे गुरुवार को भारी सुरक्षा के बीच जवाहर लाल नेहरु अस्पताल लाया गया, जहां उसका स्वास्थ्य परीक्षण हुआ। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आजाद सिंह पर पहले से ही कई संगीन धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।

उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों आजाद सिंह को एक अन्य मामले में डीडवाना कोर्ट में पेश किया गया था। बहुचर्चित इन्द्रचंद अपहरण मामले में हुई उसकी पेशी हुई थी, जहां उसके साथ अन्य आरोपी कुलदीप सिंह, गुलजारी और देवेंद्र सिंह को भी पेश किया गया था। हालांकि इस पेशी में मुख्य गवाह इन्द्रचंद कोर्ट में उपस्थित नहीं हो सका, जिसके चलते कोर्ट ने उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। पेशी के बाद सभी आरोपियों को वापस अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल भेज दिया गया था।

मोटर बाइक से लद्दाख एडवेंचर पर निकले दो सीनियर सिटीजन का सम्मान

सेवानिवृत संजथ सिंह सैंगर और बृजमोहन खत्री सड़क मार्ग से लद्दाख तक आने-जाने की एडवेंचर यात्रा दो सप्ताह में पूरी करेंगे

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर से लद्दाख तक सड़क से एडवेंचर यात्रा करने के लिए मोटर बाइक पर दो सीनियर सिटीजन बुलंद हौसले के साथ बीकानेर से रवाना हुए। साठ वर्ष से अधिक उम्र के बाद दो मित्रों ने दो सप्ताह में ही दुर्गम पहाड़ों घाटियों को मोटर बाइक से एडवेंचर टूर को करने के जज्बे को सलाम करने के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा उनका सम्मान कर रवाना किया गया।

जोधपुर प्रांत खेलो भारत प्रांत संयोजक हिमांशु सारस्वत ने बताया कि बीकानेर से दो सीनियर सिटीजन जिला शिक्षा अधिकारी से सेवानिवृत संजथ सिंह सैंगर और प्रधानाचार्य पद से सेवानिवृत्त बृजमोहन खत्री सड़क मार्ग से लद्दाख तक आने जाने की एडवेंचर यात्रा दो सप्ताह में पूरी करेंगे। दोनों सीनियर सिटीजन विद्यार्थी काल में एबीवीपी के कार्यकर्ता रहे हैं

मोटर बाइक से लद्दाख एडवेंचर पर निकले दो सीनियर सिटीजन का एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने सम्मान कर रवाना किया।

इसीलिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बीकानेर महानगर की ओर से उनकी इस प्रेरणादायी एडवेंचर यात्रा की सफलता की कामना के साथ उनका तुलसी सर्कल बीकानेर में माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया गया तथा एबीवीपी ध्वज केसरिया झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

बीकानेर महानगर मंत्री रामनिवास बिश्नोई ने बताया कि माल्यार्पण एवं अभिनंदन कार्यक्रम में अभाविप खेलो भारत प्रांत संयोजक हिमांशु सारस्वत, बीकानेर महानगर खेलो भारत संयोजिका पूजा पडिहार, जिला संयोजक पुनित शर्मा, नगर मंत्री मोहित सिंह, कार्यालय मंत्री वेदांत शुक्ला, अभिलाष मेघवाल, छात्र कल्याण संघर्ष समिति के धनंजय सारस्वत, एनसपी कॉलेज छात्र संघ महासचिव राजेश साध, पूर्व महासचिव शबाना बानो, तनवीर भाटी, स्वरुप सिंह सोलंकी, राजकीय डूंगर कॉलेज के मनसुख डूडी व राजेश प्रजापत, रामपुरिया जैन कॉलेज से विक्रांत सिंह व नंदकिशोर, एमजीएस युनिवर्सिटी से पंकज शर्मा व हेमन्त कुमार, जैन कॉलेज के हिमांशु डांगी व प्रधुम्न सिंह, नेहरू शारदापीठ पीजी महाविद्यालय से सुरेश स्वामी व विशाल सिंह भाटी सहित बड़ी संख्या में छात्र नेता मौजूद रहे।